कब मिलहे घनश्याम

कब मिलहे घनश्याम श्याम मुख मोड़ गये सज में,
सुना गोकुल धाम कुञ्ज वन छोड़ गये सच में,
कब मिलहे घनश्याम श्याम मुख मोड़ गये सज में,

हम न हुये हये मोर की पखियाँ हरि करते शृंगार,
मुकट पर सज लेते सजनी,
कब मिलहे घनश्याम श्याम मुख मोड़ गये सज में,

हम न हुये हये बांस की बंसी हरि जो रचाते रास
अधर पर धार लेते सजनी,
कब मिलहे घनश्याम श्याम मुख मोड़ गये सज में,

हम न हुये हये यमुना की मछली हरि करते इशनान,
कमल पद छू लेते सजनी,
कब मिलहे घनश्याम श्याम मुख मोड़ गये सज में,

Source:
https://www.bharattemples.com/kab-milhe-ghanshyaam-shyam-mukh-mod-gaye-saj-me/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw